

DM
DARKMAGIC
COMICS

#-१

झा के कानामे

भाग एक :- ओ.डी.



रोज की तरह हरा आज भी कौचिंग के लिए लेट हो गई थी।

परिकल्पना-: सूरज मालवीय

लेखक -: अरविंद कुमार यादव

चित्र-: सूरज मालवीय

रंगसज्जा-: पासंग अमृत लामा

शब्दांकन-: संजय यादव (संजु)

संपादक-: अरविंद कुमार यादव , ऋषभ राज व टीम







..और टकरा कर जमीन पर जा गिरी ।



वह थोंद की तरह टप्पा खाते हुए नीचे लुढ़कते हुए चली गई।

आँ

ठफ्फफ्फ छब्ब

उँड़उँड़ भाड़ड़

ठफ्फफ्फ

उँ

धाप्प।

अंत में जाकर वह एक जगह रुक गई।

हुफ्फफ्फ

हाय !

मर गई आज
तो (बूहूहू)।

तभी सामने दिखा उसे वह नजारा ।



इरा उस अनजान डिवाइस को उत्सुकता से टौलने लगी ।



इसी बीच अन्जाने में उसके हाथ से डिवाइस का एक बटन ढब गया और..



...उस अन्जान डिवाइस ने अचानक इरा पर अपना प्रभाव डालना शुरू कर दिया ।



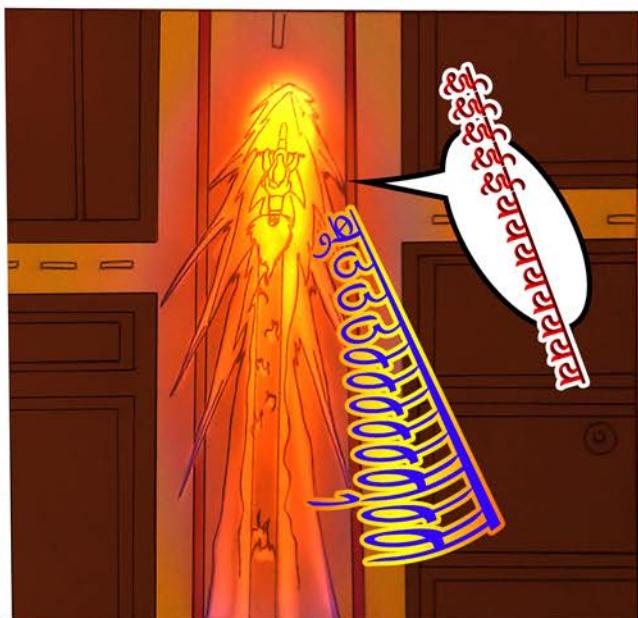
उस अचानक हो रहे परिवर्तन ने झरा को बहुत डरा दिया ।



लैकिन तभी अचानक....



वह हवा को चीरते हुए राकेट की गति से आगे की तरफ बढ़ चली ।



कुछ ही पलों में इरा शहर के दूसरी तरफ पहुँच चुकी थी।

लैकिन तभी....



उसने देखा साईकिल राख हो चुकी थी।



उस गद्दर को धसीटते हुए इरा
किसी तरह शहर में फिर लौटी।

तभी....

भाठा

अब यहाँ
कबाड़िये को कहाँ
ढूँढ़।

बचाओ

हाँय ! ये
कौंसी आवाजें हैं ?

इरा उस आवाज की तरफ चल पड़ी।

लगता है
कुछ भारी गड़बड़
है।

भाठा।

अरे कोई
बचाओ।

कुछ ही क्षण में इरा घटनास्थल
के करीब पहुँच चुकी थी।

अरे बाप रे !
ये सब क्या हो रहा है ?
ये दोनों नमूने कौन हैं जो
सारा कचरा ही चट किए
जा रहे हैं ?

(यम्म यम्म)
अबै यार गैरन, आज तो मजा
ही आ गया।

अबै क्या स्वादिष्ट चीज है ये,
ये तो हमारे यहाँ मिलता ही नहीं।

सामने का नजारा देखा इरा चौंक पड़ी

यम्म यम्म !

छिः..... ये तो
कचरा खा रहे हैं । कौन
हैं ये कार्टून ?

हे! हुश....!









इरा के उस जबरदस्त वार से दोनों धायल होके दूर जा गिरे ।



और फिर सैरेन का हथियार उसी के शिर पर आ गिरा ।



आरे कौन है
ये लड़की जो इन
खूँखार दरिंदों से
अकेले लड़
रही है ?

इस जोरदार मुकाबले को देखने
के लिए वहाँ भीड़ इकट्ठा हो गई।

और.. और इसके
अंदर भी ना जाने कैसी शक्तियां हैं
जिसके सामने ये दोनों नहीं
टिक पा रहे हैं ?

इधर सैरेन और गैरेन की हालत और पतली होनें वाली थी ।





और फिर इरा ने जड़ा उक जोरदार पंच.....



आआईईई
मम्मी बचाओ ३३

हाड़क

झबे हट !

इंद्र गैरन की शामत आई हुई थी ।

धाढ़

आह







सैरन के सारे हथियार बैकार साबित होते जा रहे थे।



पर ये अभी हार मानने के मूड में नहीं लग रहे थे।

कड़ कड़क बूआरम्म



सैनन यह सब देखा-देखा कर थक चुका था



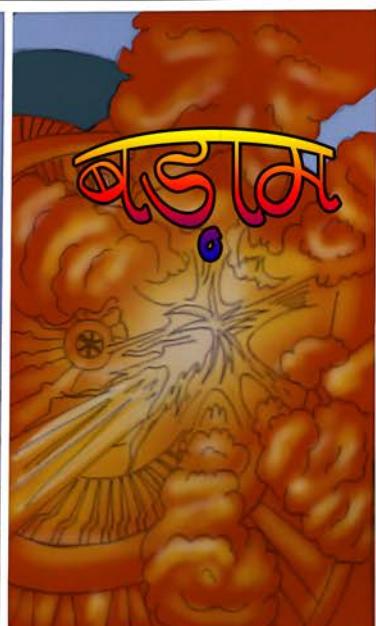


इससे पहले कि इरा कुछ समझ पाती ...



देखते ही देखते वह यान उड़ चला ।

अरे ये तो आग
रहे हैं । अगर इन्हें नहीं
रोका तो ये फिर से आकर
तबाही मचाऊंगे ।



वै दोनों झरा की पहुँच से बहुत दूर जा चुके थे।



अंतरिक्ष से बढ़ चली है एक श्रीषण आपदा पृथ्वी की ओर...

क्या इस बचा पाउँगी अपने लोगों को इस भयानक आपदा से ?

या फिर ये आपदा तहस-नहस कर देगी पूरी पृथ्वी को...



जानवें के लिए पढ़िए डार्क मैजिक कॉमिक्स की अगली धुंआधार पेशकश...

हरा के करबले

भाग दो—: अंतरिक्ष का हमला

डार्क मैजिक कॉमिक्स में जादूगर
चिंटू के बचपन की अठखोलियों से
शरी हुई शुद्ध शुद्धता कॉमिक....

देख फुलन,
वो रही तेरी वो..

फमझ गया उपताद।
पर उफमें फे मेरी वाली
कौन फी होगी ??

मैं इस मोटे का
छोड़ुंगा नहीं।

अबे मेरी वाली
को बोल रहा है
मोटा, (गुर्र)।

मैं क्या बोलू ?
मैं तो खुद ही अपनी वाली के
पीछे पड़ा हूँ, (बूहूहू)



...जादूगर चिंटू

भाग एक:- भूलन का सबक



Comming soon....

लेखक-: इंद्रप्रीत पाल सिंह

एडिटर-: चेतन सिंह

आर्ट-: उम(M)

कलर-: पासंग अमृत लामा



ब्लैक बोर्ड

नमस्कार बंधुओं,

ब्लैक बोर्ड के प्रथम संरकरण में आपका स्वागत है। आशा है कि सुपर भर्त
झरा के कारनामों ने आपको शोमांचित अवश्य किया होगा। यह तो उक शुभआत
है और झरा के कारनामें इतनी जलदी खत्म भी नहीं होने वाले। कहानी अगले
अंक में जारी रहेगी और हमारे ब्लाग पर ही रिलीज होगी वह भी बिलकुल मुफ्त

|

कहानी से दूसरे बात करें तो ‘डार्क मैजिक कॉमिक्स’ उक नई कॉमिक्स
कंपनी है जो पाठकों को मुफ्त कॉमिक्स डपलब्ध कराने के साथ ही ‘कंटेंट
क्रिएटिंग’ और ‘कंटेंट डेवलपमेंट’ के क्षेत्र में भी काम करेगी। इस काम को
अंजाम तक पहुंचाने के लिए कलाकारों और लेखकों की टीम मिलकर काम
कर रही है। मित्रों, जैसा कि आप सब को पता है कि भारत ने पिछले कुछ सालों
में भारतीय कॉमिक्स की दुर्गति होते देखी है जो कि अत्यंत दुखदायक है। जले
पर नमक तो यह है कि नई पीढ़ी इस पीड़ा से भी अनजान है क्योंकि बहुत बच्चों
ने कॉमिक्स को देखा भी नहीं है। इस समस्या से निजात पाने के लिए ढेरों
प्रयास किए गए जिसका परिणाम छोटी-छोटी कॉमिक्स कंपनियों का उभरना
था। पर यह तूफान जिस बैग से आया था उसी बैग से ठहरता दिख रहा है। इसके
कई कारण हैं जिसकी चर्चा अगले किसी ‘ब्लैक बोर्ड’ में करेंगे। गौरतलब है कि
‘डार्क मैजिक कॉमिक्स’ की मंशा इन्हीं कंपनियों के साथ मिलकर अपने
कलाकार और लेखकों की टीम की क्रिएशंस को धार देकर पाठकों को उक

निश्चित अंतराल पर कॉमिक्स मुहैया कराने की है।

आशा है कि शुभआती गिलहरी प्रयास बाद में श्रीमकाय साबित होंगे। मिलते
हैं अगले अंक के अंतिम पन्नों में।

धन्यवाद।

टीम डार्क मैजिक कॉमिक्स